HARYANA PUBLIC WORKS DEPARTMENT BUILDINGS AND ROADS BRANCH

Rohiak Circle

The 5th Sep ember, 1984/7th November, 1984

No. S.E. Rohtak Circle, PWD (B & R) B. No. 28RA/VI/757.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government, at public expenses, for the public purpose, namely Constructing a road from Sunderpur Khidwali to Sasrauli in Rohtak District, it is therefore, hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section VI of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section VII of the said Act, the Land Acquisition Officer, cum-District Revenue Officer Rohtak, is hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the office, of Land Acquisition Officer-cum-District Revenue Officer Rightak and Executive Engineer Provincial Division No. II P.W.D. B & R. Branch, Rohtak.

SPECIFICATION

Distrio	Tehsil	Locality/Village	Hadbast ' No.	Area in acres	Khasra No	
1	2	3	4	5	6	
Rolitak	Rohiak	Sasiauli	67	0.44	50	
	en a de la companya d	·		,	2, 3, 8, 9	~ 1

No. S.E. Rohtak Circle, FWD (B&R) Br. No 28RA V1/758.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government at public expenses, for the public purposes, namely constructing a road from Dubaldhan to Paira road in Rohtak District, it is therefore, horeby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purpose.

This declaration is made under the provisions of section VI of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section VII of the said Act, the Land Acquisition Officer-cum District Revenue Officer, Rohtak, is hereby directed to take order for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the offices of the Land Acquisition Officer-cum-District Revenue Officer, Rohtak and Executive Engineer Provincial Division, P.W.D., B. & R. Br. No. II, Rollak

SPECIFICATION

· District	Teksil.	Tocality/ Village	H idbast No.	Arca in acres	Khasra No.
1	2	3	. 4	5	6
Rohtak Jhajja	Jhajjar	Majra	135	2.85	. 132
			18.		7. 3/1, 8/2, 9, 10, 8/3, 11/1, 11/2, 12, 13/1, 13/2
				: -	6, 12, 13, 14, 15, 20/1, 20/2 134
				. موسد	15/2, 16 1427, 1424, 1425, 3503, 602, 1522

10/4		nak i A	NA GUYI	GAZ.	, NOV.	27, 1984 (AGHN. 6, 1906 SAKA)	[PART]
1	2	3.	4	5		6	*
Robta	k Jhajjar	Dubaldhan Kirman	1.16	2	4.68	12	
Andrew States	بالمسارة بالمحيد بياتانين	ANTI LIGHT		iai∳i	18 14 - 1911 - \$	11, 19, 20/1, 20/2, 21, 22, 23/1, 23	/2, 24
				ì ţ		13	. 14
		•		ļ		7, 8/1, 8/2, 9, 11, 12, 13, [4, 15, 16, 1	7
						15	
				}	,	13/1, 13/2, 17, 18, 25, 11, 12/1, 12/2	- ,
				1	1	16 19 -20	
						$\frac{15}{3}$, $\frac{1}{3}$, $\frac{1}{4}$, $\frac{1}{5}$	
	•				, i :	22	
				,	, , i i	3, 4, 5, 6/1, 6/2	
	•					23	
				ı	; 	1, 8, 9, 10, 12, 13/1, 13/2, 14, 15,	16/1 16/
					,	17/1, 17/2, 18, 25	, 10/1, 11/
						24	-
						20, 21, 22/1, 22/2, 23	
				u <u>ab</u> 't se − s	:}	44	_/ _/
					i .	10, 12, 17, 18, 19, 23, 24/1, 24/2, 2	5 .
						45 62	•
					4 . 1	2, 3/1, 3/2, 4, 5, 7, 26 4, 5/1,	5/2. 6
					1	63	
					; •	1, 9, 10/1, 10/2, 11, 12, 13, 17, 18, 1	9, 23, 24, 2
					i	77 78	
						21/1, 21/2, 1, 2, 8, 9, 10, 12	, 13/1, 13/
					(78	79
				•	,	14, 17/1, 17/2, 18, 24, 25, 16	 ,
					!	104	•
						1, 2, 8/1, 8/2, 9/1, 9/2, 9/3, 13/1, 13/16/1, 16/2, 17/1, 17/2, 17/3, 25	3,2, 14, 15/
					†	105 112	
				ng Magas pro) -		2/1; 22/2
				-	1	113	
						1, 2/1, 2/2, 3, 7, 8, 9, 13, 14, 17/2, 25	15. 16, 17)
						144 145	
						144 [43	

1.	2	3	4	5	6
Rohtak	Jhajjar ,	Dubaldhan Kirman	136	26.68	330, 331, 332, 333, 334, 336, 337, 338, 340, 341, 342, 356, 357, 358, 359, 360, 369, 370, 371, 372, 373, 368, 385, 390, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 498, 492, 524; 219, 222, 227, 248, 249, 250, 259, 260, 273, 278, 994
Do	Do	Palra	120	8,	25
	रू स				10/2, 11/1, 11/2, 12/2, 17, 18/1, 18/2, 19/1, 19/2, 20, 23, 24/1, 24/2, 25
		•		-	18 21
-					6, 7, 14, 15
					. 22
				•	1/1, 1/2, 2, 8, 9/1, 9/2, 10/1, 10/2, 12/1, 12/2, 13/1, 13/2, 14/1, 14/2, 15/1, 16/1, 16/2, 16/3, 17, 25
					23 29 .
		•			20/1, 20/2, 20/3, 21/1, 21/2, 22
			•	-	, 30
		:			1, 2/1, 2/2, 3, 7, 8, 13, 14, 15, 16, 17, 24, 25
* ·				•	41 157
			ı		2, 9, 12, 19, 26, 27, 28, 29, 30, 31
					173, 175, 166, 503, 231, 246, 168, 167, 576, 568, 565, 572, 184 and 185

(Sd.) . . . ,
Superintending Engineer,
Rohtak Circle, P.W.D., B.&R. Branch,
Rohtak.

श्रम विभाग

ं भ्रादेश

दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1984

सं श्रो वि । सोनीपत / 181-84 / 39789. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व कुन्दरा शूज प्रा. लि. जी. रोड, बुन्डली (सोनीपत) के श्रमिकों तथा अबन्धकों व मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्यन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भौर चूंकि राज्यपाल, हरियाणा, इस किराद को न्यायिक्णिय हेतु निर्दिष्ट करना बोछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद शिधिक्यम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उनक शिधितयम भी धारा 7-क के श्रधीन गठिए, श्रीद्योगिक शिधकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नी वे विनिद्धिक्ट मामले, जो विः उकत प्रवन्धकों सथा श्रीमकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मागले हैं स्थापनिणंय हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

ा. क्या श्रमिक सालुना तरक्की 50 द० प्रति सर्य के हिसाब से लेने का हकदार है? यदि हां तो किस विवरण में?

- 2. क्या श्रमिक प्रतिवर्ष दो जोड़ी वर्द तथा 2 जोड़ी ज्ते के हकबार हैं? यदि हां, तो किस विधरण में?
- 3. वया श्रमिन लीव बुक, बेज स्लीप तथा ग्राईडेन्टी कार्ड के हकदार हैं? यदि हां, तो किस विवरण में?
- क्या श्रमिक 250 ग्राम प्रतिदिन के हिसाब से गुड़ के हकदार हैं? यदि हां, तो किस बिवरण में?
- 5. वेशा श्रमिक प्रति गास 4 चवकी सायनके हकदार हैं? यदि हां, तो विःस विवरण में?

्र मारा सेठ, अन्न वित्तायुक्त एक जीवा हरियाणा मरकार, अम विषया ।

दिनांक 30 अन्त्वर, 1984

सं ग्रो. िं/एफ. डी/146-84/39796.—स्कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. रेणमा स्टीन क्याद न. 231, संपटर-24, फरीदाबाद के श्रीमक श्री रधुराज यादन तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है:

म्रोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं:

इसलिए, ग्रुज, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की श्रीरा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रवान की गई शिनतयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा तरकारी अधिमूचना सं. 5415-3 श्रम 68/15254, दिनकि 20 लग, 1968 के साथ पहते हुए अधिमूचना सं. 11495-जी-श्रम 88/धम/57/11245, दिनकि 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधित्यम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादाग्रस्त या उससे सुमंगत था उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायालय के निष् निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक, के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से गुसंग्त श्रथवा संबंधित मामला है:---

क्या श्री 'श्राराज यादव की सेवाश्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नही, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं और वि/एफ डी/142-84/39803. च्यूंकि हरियांणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. एकवा गैटल व्लड्डांज निमान एन. श्राई टी., फरीदाबाद के श्रीमक श्री राम करण तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले हैं सम्बन्ध में कोई भीदोगिक विवाद है :

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इतिर, भन, भौबोगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (म) द्वारा प्रदान की गई 'गिवायों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/15264, दिनांक 20 जुन, 1968, के साथ पढ़ते दुये श्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम-88-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उबल श्रधिनियम् की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादशस्त्र या उससे सुसंगत या उससे सम्विध्य नीचे लिखा कामका न्याय-निर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त्र मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बंधित मामला है :---

नया श्री राम करणकी सेवाधों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? िनांक 5 नंबम्बर, 1984

सं. मो. वि./एफ.डी./176-84/40051.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. विटक्षेम इन्डिया 12 उन्डस्ट्रीयल एरिया, एन. भाई. टी., फरीबाबाद के अमिक श्री नन्दकूतथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस के बाद लिखित मागले में कोई श्रीशोगिक विवाद है;

भीर मंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायिंग्णय होतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं.

इसलिए, प्रव, भोद्योगिक विवाद अधित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के छंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ औत हुए अधिसूचना सं. 11495-जी.-श्रम-88-श्रम/57//11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद को विवाद प्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निविद्ध करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुमण्य प्रयोग संबंधित मामला है।

क्या श्री नन्दक् की सेवामों का समापन त्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत का ्कदार है ? ् वीष्ट पी० राह्मल, संयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सर्कार, श्रम विभाग।